

भारत सरकार  
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय  
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग  
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2947

मंगलवार, 10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर-पूर्वी राज्यों के उत्पादों की जीआई टैगिंग

2947. श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार असम सहित उत्तर-पूर्वी (एनई) राज्यों के स्वदेशी उत्पादों की जीआई टैगिंग हेतु सहायता कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या कार्बी आंगलॉग और दीमा हसाओ जिलों के किसी उत्पाद को जीआई पंजीकरण के लिए चिन्हित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जीआई टैग वाले उत्पादों के लिए जीआई पंजीकरण में तेजी लाने और बाजार तक पहुंच बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री  
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ग): अद्वितीय स्थानीय और स्वदेशी उत्पादों के लिए जीआई संरक्षण को सुगम बनाने और जीआई पंजीकरण में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए उपायों/स्कीमों का विवरण **अनुबंध-क** के रूप में संलग्न है। इसके अलावा, जीआई टैग प्राप्त उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने के उपायों का विवरण **अनुबंध-ख** के रूप में संलग्न है।

(ख): असम के दो जिलों (कार्बी आंगलॉग और दीमा हसाओ) से एक-एक उत्पाद को भौगोलिक संकेतक के रूप में पंजीकृत किया गया है। इन उत्पादों का विवरण निम्नलिखित है:

- कार्बी आंगलॉग जिला (असम) - कार्बी आंगलॉग अदरक (जीआई सं. 435)।
- दिमा हसाओ जिला (असम) - जुडिमा (जीआई सं. 643)।

\*\*\*\*\*

दिनांक 10.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2947 के भाग (क) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

1. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), एमएसएमई नवोन्मेषी स्कीम के आईपीआर घटक के माध्यम से भौगोलिक संकेतकों (जीआई) सहित बौद्धिक संपदा के संरक्षण और वाणिज्यीकरण के लिए सहायता प्रदान करता है। इस स्कीम के तहत, पात्र आवेदक जीआई पंजीकरण करने में आई वास्तविक लागत की 100% प्रतिपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं, जो प्रति पंजीकृत जीआई के लिए अधिकतम 2.00 लाख रुपए की सीमा के अन्वय में है। इसके अलावा, कार्यान्वयन एजेंसियों, अर्थात् इस स्कीम के तहत बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्रों (आईपीएफसी) के माध्यम से, आवेदकों को जीआई दायर करने में सहयोग प्रदान किया जाता है।
2. वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा अनुमोदन किए जाने पर, जीआई पंजीकरण के प्रभावी प्रवर्तन और / या जीआई की सुरक्षा हेतु कानूनी मामलों पर वास्तविक व्यय के लिए 1.50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
3. दिनांक 03.11.2025 को अधिसूचित माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 में किए गए संशोधन के माध्यम से, जीआई आवेदन और संबंधित प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए लागू शुल्क में 80 प्रतिशत की कमी की गई है। यह सुधार कारीगरों, किसानों, सहकारी समितियों और पारंपरिक उत्पादक समूहों पर वित्तीय बोझ को कम करता है, जिससे जीआई पंजीकरण और नवीनीकरण अधिक किफायती हो जाता है, जिससे जीआई संरक्षण प्रणाली में व्यापक भागीदारी प्रोत्साहित होती है।
4. उपरोक्त के अलावा, जीआई रजिस्ट्री आवेदनों में पाई जाने वाली कमियों को दूर करने और आवेदन पूरा करने में सहायता करने के लिए उत्पादक संघों या अधिकृत निकायों की सहायता करती है। इसके अलावा, जीआई रजिस्ट्री पूरी प्रक्रिया के दौरान आवेदक को पथ प्रदर्शन सहायता प्रदान करती है। अधिक सहायता के लिए, आवेदक जीआई रजिस्ट्री से ई-मेल: [gir-ipo@nic.in](mailto:gir-ipo@nic.in) अथवा 044-22502030 पर संपर्क कर सकते हैं।

\*\*\*\*\*

दिनांक 10.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2947 के भाग (क) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

जीआई टैग प्राप्त उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने संबंधी पहल पूर्वोत्तर राज्यों सहित सभी क्षेत्रों में समान है। जीआई टैग प्राप्त उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे उपाय निम्नलिखित हैं:

2022-23
<p><b>इंडिया जीआई फेयर (26-28 अगस्त, 22):</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 3 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।</li> </ul>
<p><b>जीआई महोत्सव (16-21 अक्टूबर, 22):</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>व्यापार सुविधा केंद्र, वाराणसी में एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया</li> <li>जीआई धारकों के लिए डीपीआईआईटी कार्मिकों के साथ मिलकर विभिन्न ज्ञान सत्र आयोजित किए गए।</li> </ul>
<p><b>विशेष जीआई पवेलियन (14-27 नवंबर, 22):</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>आईटीपीओ द्वारा प्रगति मैदान में आयोजित आईआईटीएफ 2022 में विशेष जीआई पवेलियन स्थापित किया गया।</li> </ul>
<p><b>प्रचार प्रसार के लिए वीडियो</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>भारत के भौगोलिक संकेतकों को लोकप्रिय बनाने के लिए, हिस्ट्री टीवी 18 के सहयोग से विभिन्न भारतीय जीआई को कवर करते हुए 17 प्रचार वीडियो तैयार किए गए।</li> <li>हिस्ट्री टीवी 18 नेटवर्क के विभिन्न चैनलों, जैसे हिस्ट्री टीवी 18 - एसडी, हिस्ट्री टीवी 18 - एचडी पर वीडियो प्रसारित किए गए।</li> </ul>
<p><b>जीआई पर सोशल मीडिया अभियान:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>डीपीआईआईटी ने भारतीय जीआई के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाया।</li> <li>जीआई उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए त्यौहारों के दौरान, 'गिफ्ट ए जीआई' अभियान शुरू किया गया।</li> <li>रोचक तथ्यों के माध्यम से जीआई पर जागरूकता फैलाने के लिए 'स्पॉट द जीआई' शुरू किया गया। सीपैम ने 'विंटर जीआई एक्सेसरीज' पर एक अभियान चलाया।</li> </ul>
<p><b>जीआई पवेलियन (14-18 मार्च, 23):</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>डीपीआईआईटी ने प्रगति मैदान में 'आहार 2023' में 55 जीआई पंजीकृत उत्पादों के लिए 'जीआई पवेलियन' स्थापित किया।</li> <li>'अतुल्य भारत के अमूल्य खजाने' थीम पर आयोजित 37वें अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले में महिला उद्यमियों/कारिगरों की भागीदारी देखी गई।</li> </ul>
2023-24

<p><b>राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ जुड़ाव:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन द्वारा वर्तमान में उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों के बीच जीआई के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संबंधित जीआई उत्पादकों का क्षमता निर्माण किया जा रहा है और हैंड होल्डिंग सहायता की जा रही है तथा जीआई की बिक्री और विपणन को सुविधाजनक बनाया जा रहा है।</li> </ul>
<p><b>ईपीसीएच जीआई फेयर इंडिया (20-24 जुलाई, 23):</b> इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में जीआई फेयर इंडिया 2023 का दूसरा संस्करण।</p>
<p><b>रेडियो मिर्ची (17-31 अगस्त, 23):</b> रेडियो मिर्ची ब्रिवरी द्वारा 15 दिनों के लिए जीआई उत्पादों का प्रचार किया गया।</p>
<p><b>उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (21-25 सितंबर, 23):</b> इंडियन एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी।</p>
<p><b>श्रीनगर में जीआई महोत्सव (2-8 अक्टूबर, 23)</b> जीआई को बढ़ावा देने की पहल के भाग के रूप में श्रीनगर में एक सप्ताह का जीआई महोत्सव।</p>
<p><b>जीआई स्टार्टअप चैलेंज (29 दिसंबर, 23 - 20 फरवरी, 24):</b> डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से जीआई ईकोसिस्टम में मौजूद चुनौतियों के लिए स्टार्ट-अप के माध्यम से अभिनव समाधानों की पहचान करने के उद्देश्य से स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर जीआई स्टार्टअप गैड चैलेंज आयोजित किया।</p>
<p><b>इंडिया टुडे द्वारा जीआई का प्रचार:</b> इंडिया टुडे ने जीआई को बढ़ावा देने के लिए तीन चरणों में जीआई से संबंधित लेख प्रकाशित किए।</p>
<p><b>नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचार:</b> डीपीआईआईटी ने नेशनल ज्योग्राफिक चैनल के सहयोग से जीआई-आधारित वीडियो लॉन्च किए, जिनमें भारत और सार्क बाजारों में जीआई टैग किए गए उत्पादों पर 5 वृत्तचित्र फिल्मों (8-10 मिनट) का निर्माण, प्रसारण, मार्केटिंग और लाइसेंसिंग शामिल है।</p>
<p><b>कोलकाता में 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हैकेथॉन (8-12 मार्च, 24):</b> पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यूबी एनयूजेएस) ने भौगोलिक संकेतक और संबंधित पारंपरिक ज्ञान सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों पर हैकेथॉन संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।</p>
<p><b>2024-25</b></p>
<p><b>जीआई केटेलिस्ट (12 जुलाई 2024):</b> 'जीआई केटेलिस्ट': अंतर्दृष्टि से प्रभाव तक सम्मेलन' 12 जुलाई 2024 को यशोभूमि में आयोजित किया गया। विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम, हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देते हुए, समन्वय और सहयोग के माध्यम से भारत के जीआई ईकोसिस्टम को बढ़ाने पर केंद्रित है।</p>

**इंडियन एयरलाइंस में जीआई का प्रचार-प्रसार (मार्च-जुलाई, 24)**

देश के विभिन्न हिस्सों के जीआई उत्पादों के विषय में कुल 12 लेख, विस्तार, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइनों की इनफ्लाइंट पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए (प्रति एयरलाइन 3 लेख)।

**आउटलुक पत्रिका द्वारा जीआई-थीम वाले विवाह वीडियो:**

आउटलुक ग्रुप के सहयोग से जीआई उत्पादों का प्रचार-प्रसार "वेड्स इन इंडिया" अभियान की अवधारणा के माध्यम से भारत के भौगोलिक संकेतकों) जीआई (पर वृत्तचित्रों को प्रदर्शित करने के लिए विविध प्लेटफार्मों का लाभ उठाया गया।

**बर्मिंघम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल (1-4 सितंबर, 24):**

डीपीआईआईटी के अनुमोदन और वित्तीय सहायता से ईपीसीएच ने बर्मिंघम, युनाइटेड किंगडम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2024 में जीआई उत्पादकों की भागीदारी और लाइव प्रदर्शन के साथ भारतीय जीआई मंडप का आयोजन किया।

**बाजार बर्लिन 2024 (6-10 नवंबर, 24):**

जर्मनी के बर्लिन फेयरग्राउंड) एक्सपो सेंटर सिटी (में बाजार बर्लिन 2024 में डीपीआईआईटी ने इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से भारत के जीआई उत्पादों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया।

**नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचार (सीजन 2):**

भारत में 'जीआई टैग' के सीजन-1 के सफल प्रसारण के बाद, सीजन-2 के माध्यम से जीआई का प्रचार। शेखर कपूर की आवाज में, जीआई उत्पाद की दुकान के मालिक की सफलता की कहानी पर केंद्रित 60 मिनट की फिल्म का प्रसारण।

नेशनल ज्योग्राफिक चैनल इंडिया (एसडी और एचडी) और सार्क देशों में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला और कन्नड़ भाषाओं में प्रसारण।

इसके अतिरिक्त, यूट्यूब पर।

**मास्टरशेफ इंडिया के संपूर्ण सीजन 9 के माध्यम से प्रचार-प्रसार:**

भौगोलिक संकेतकों (जीआई) को बढ़ावा देने के लिए डीपीआईआईटी ने सोनी लिव पर मास्टरशेफ इंडिया सीजन 9 के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के माध्यम से, डीपीआईआईटी का उद्देश्य इस शो की व्यापक पहुंच और लोकप्रियता का लाभ उठाते हुए, कार्यक्रम की कहानी में जीआई-टैग वाले उत्पादों को शामिल करके भारत की समृद्ध पाकशास्त्रीय विरासत को प्रदर्शित करना है।

**दिल्ली मेट्रो में जीआई प्रचार संबंधी कार्यकलाप:**

दिल्ली मेट्रो के डिब्बों के अंदर डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से जीआई प्रचार के कार्यकलाप आयोजित करना।

**हवाई अड्डों पर जीआई प्रचार कार्यकलाप:**

श्रीनगर, उदयपुर, वाराणसी, दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर डिजिटल स्क्रीन, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, होर्डिंग आदि के माध्यम से जीआई प्रचार कार्यकलाप करना।

**दिल्ली हवाई अड्डे पर जीआई प्रचार कार्यकलाप:**

केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम लिमिटेड के सहयोग से जीआई उत्पादों की बिक्री के लिए समर्पित दुकानों की स्थापना।

**भारत मंडपम, दिल्ली में जीआई समागम:**

भौगोलिक संकेतकों के महत्व और इसकी अपार विकास संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, डीपीआईआईटी ने दिनांक 22.01.2025 को "जीआई समागम" का आयोजन किया। इस आयोजन ने भारत में जीआई ईकोसिस्टम के प्रमुख हितधारकों, मंत्रालयों/विभागों, केंद्र और राज्य सरकारों के उपयोगकर्ता विभागों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, कारीगरों, उत्पादकों आदि को विचारों के आदान-प्रदान और इस क्षेत्र के भावी विकास पर विचार-विमर्श हेतु एक मंच पर एकजुट किया।

2025-26

**दिल्ली मेट्रो में जीआई प्रचार कार्यक्रमलाप:** दिल्ली मेट्रो में येलो और ब्लू लाइनों पर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, ट्रेन रैपिंग तथा मेट्रो के भीतर विज्ञापनों के माध्यम से जीआई उत्पादों का प्रचार प्रसार किया गया।

**हवाई अड्डे पर जीआई प्रचार-प्रसार कार्यक्रमलाप:** वाराणसी, दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डे पर डिजिटल स्क्रीन, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, कन्वेयर बेल्ट आदि के माध्यम से जीआई उत्पादों का प्रचार प्रसार किया गया।

**आयोजनों में प्रचार-प्रसार करना:** विश्व खाद्य भारत, 2025 और जनजातीय व्यापार सम्मेलन 2025 में जीआई उत्पादों का प्रचार-प्रसार किया गया।

**सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार (जारी):** डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के सहयोग से यात्रा केंद्रित और सामान्य लघु वीडियो के माध्यम से जीआई उत्पादों का प्रचार-प्रसार वर्तमान में जारी है। इस पहल के तहत, एजेंसी (मेसर्स याप) के माध्यम से किराए पर लिए गए जैम पोर्टल के माध्यम से यात्रा आधारित लघु वीडियो तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा, जियोहॉटस्टार के माध्यम से सामान्य लघु वीडियो तैयार किए जा रहे हैं (जैम पोर्टल के माध्यम से किराए पर लिया गया)।

**एआई शिखर सम्मेलन 2026 में प्रचार-प्रसार:**

- 16-20 फरवरी 2026 तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में, भारत की जीआई टैग प्राप्त कॉफी का डीपीआईआईटी के नेतृत्व वाली अनुभवात्मक रणनीति के माध्यम से 'भारत जीआई कॉफीज' ब्रांड के तहत प्रचार प्रसार किया गया, जिसमें ऑन-साइट जीआई कॉफी टेस्ट करना शामिल था।
- मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म पर इस पहल को कवर किया गया, जिसे प्रभावशाली व्यक्तियों और वरिष्ठ सरकारी लीडर्स द्वारा प्रचारित किया गया था, जिसमें गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के सीईओ सुंदर पिचाई को एआई शिखर सम्मेलन में मालाबार अरेबिका कॉफी का आनंद लेते हुए दिखाने वाला एक व्यापक रूप से साझा किया गया क्षण भी शामिल था।

\*\*\*\*\*